

श्रम विभाग

आदेश

दिनांक 10 दिसम्बर, 1986

सं० ओ०वि०/एफ०डी०/178-86/46570.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० जनरल इन्जिनियरिंग वर्क्स लि०, 21/2, मथुरा रोड़, फरीदाबाद, के श्रमिक महासचिव हिन्दुस्तान को-कोकू वायर इम्प्लाइज यूनियन, 50, नीलम चौक फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पचाट छः मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :

क्या संस्था के सभी श्रमिक वर्ष 1985 का बोनस 20 प्रतिशत के हिसाब से लेने के हकदार हैं? यदि हां तो किस विवरण में ?

कुलवन्त सिंह,

वित्तायुक्त एवं सचिव ।

दिनांक 10 दिसम्बर, 1986

सं० ओ०वि०/एफ०डी०/143-86/46348.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० टोपाज ओवरसीज प्रा० लि०, 24 बी, 4/5, औद्योगिक क्षेत्र, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री बाबू लाल, मार्फत भारतीय मजदूर संघ, विश्वकर्मा भवन, नीलम बाटा रोड़, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के संबंध में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री बाबू लाल की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ०वि०/एफ०डी०/143-86/46355.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० टोपाज ओवरसीज प्रा० लि०, 24 बी, 4/5, औद्योगिक क्षेत्र, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री हरीश चन्द मार्फत भारतीय मजदूर संघ, विश्वकर्मा भवन, नीलम बाटा रोड़, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है, न्यायनिर्णय एवं पचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री हरीश चन्द की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ०वि०/एफ०डी०/143-86/46362.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० टोपाज ओवरसीज प्रा० लि०, 24 बी, 4/5, औद्योगिक क्षेत्र, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री छोटे लाल मार्फत भारतीय मजदूर संग, विश्वकर्मा भवन, नीलम बाटा रोड़, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है, न्यायनिर्णय एवं पचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री छोटे लाल की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?